Sanskrit -

PAGE NO.
DATE 28-5-20

Part - III Honours

Paper - 8

Kanak Lata Kumari

अशुद्ध - शुद्धि प्रकरण

अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करने के लिये निम्नलिखीत बातों पर ध्यान रखना चाहिए।

1. वाक्य में क्रियापद के पुरुष और वचन कर्ता के अनुसार है या नहीं। जैसे- एकदा चत्वारि मित्राणि वनम् अगच्छत्। यहाँ कर्ता 'मित्राणि' बहुवचन है इसलिये क्रिया भी बहुवचन होना चाहिए - यानि इसका शुद्ध रुप होगा- 'एकदा चत्वारि मित्राणि वनम् अगच्छन्।'

2. विशेषणवाचक शब्द का प्रयोग विशेष्य के लिंग के अनुसार हुआ है या नहीं। यथा - तस्य समीपे त्रयः पुस्तकानि सन्ति। इस वाक्य में विशेष्य पद पुस्तकानि के अनुसार विशेषण भी क्लीवलिंग होना चाहिए। अर्थात शुद्ध रुप होगा - 'तस्य समीपे त्रीणि पुस्तकानि सन्ति।'

3. संज्ञा, सर्वनाम अथवा विशेषणवाचक शब्द का शुद्ध प्रयोग हुआ है या नहीं। जैसे: - सः आत्मानं बुद्धिमानं मन्यते। इस वाक्य में आत्मानं के अनुसार बुद्धिमानं के स्थान पर बुद्धिमन्तं होना चाहिए।

4. विभक्ति का प्रयोग ठीक हुआ है या नहीं। जैसे वाल्मीकिः रामायणम् लिखितम् के स्थान पर कर्मवाच्य में वाल्मीकिना रामायणम् लिखितम् होना चाहिए।

Teacher's Signature ________

PAGE NO.
DATE

5. क्रियापद कर्ता के अनुसार है या नहीं। जैसे - त्वं मित्राय रचनं यच्छति। यहाँ यच्छति के स्थान पर यच्छसि होना चाहिए।

6. क्रियाविशेषण का प्रयोग ठीक अर्थ में हुआ है या नहीं। जैसे - वयं ह्यः न गमिष्यामः में ह्यः के स्थान पर श्वः होना चाहिए क्योंकि ह्यः का अर्थ है आनेवाला कल।

अशुद्ध रूप		शुद्ध रूप
(1) सा पुस्तकं पठामि	—	सा पुस्तकं पठति।
(2) हिमालयस्य गंगा प्रभवति	—	हिमालयात् गंगा प्रभवति।
(3) क्रोशे कुटिला नदी	—	क्रोशं कुटिला नदी।
(4) छाया शीतलः अस्ति	—	छाया शीतला अस्ति।
(5) त्रयः बालिका क्रीडन्ति	—	तिस्रः बालिकाः क्रीडन्ति।
(6) कर्णस्य बधिरः	—	कर्णेन बधिरः
(7) ~~स्वयं लेखकः ईश्वर~~	—	~~स्वयं लेखकः लिखितः~~

Teacher's Signature ____________